

यूके की यूनिवर्सिटी में एडमिशन दिलाने का झांसा देकर 33 लाख की ठगी

आरोपियों ने युवक से पैसे ले लिए और विदेश भेज दिया , लेकिन वहां पर बताई गई नाम की कोई यूनिवर्सिटी नहीं मिली

श्रीगंगानगर, (निसं)। यूके की यूनिवर्सिटी में एडमिशन दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने युवक से पैसे ले लिए और विदेश भेज दिया। लेकिन वहां पर उसे बताई गई नाम की कोई यूनिवर्सिटी नहीं मिली। आरोपी अब पैसे लौटाने से मना कर रहे हैं। मामला श्रीगंगानगर के कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में राजकुमार (45) निवासी साधुवाली (श्रीगंगानगर) में बताया कि उसका बेटा सागर 12वीं पास कर यूके में पढ़ाई करना चाहता था। मई 2025 में शिकायतकर्ता व उसके बेटे की जान-पहचान साधुवाली के अनुराग

नाम के शख्स से हुई। अनुराग ने 22 लाख में स्टडी वीजा और यूनिवर्सिटी में एडमिशन दिलाने का झांसा दिया। जब राजकुमार ने पैसे नहीं होने की बात कही तो अनुराग ने उसे स्टडी लोन दिलवाने की बात कही। जिसके बाद आरोपियों ने राजकुमार के बेटे का स्टडी लोन अयुव करवा दिया। कुछ दिनों बाद युवक के अकाउंट में 33.87 लाख रुपए क्रेडिट हो गए।

इसके बाद ठगों ने बाप-बेटे की चेकबुक, एटीएम कार्ड और पासवर्ड व खाली स्टाम्प अपने पास रख लिए। 24 से 28 जुलाई 2025 के बीच आरोपी अनुराग, नवल और साहिल ने युवक के अकाउंट से अलग-अलग बैंक अकाउंट में 33 लाख से ज्यादा

रुपए ट्रांसफर कर लिए। जिसके बाद आरोपियों ने परिवार को बताया गया कि ब्रिस्टल (यूके) की यूनिवर्सिटी में सागर का एडमिशन हो गया। सागर की फीस जमा हो गई और वीजा आ गया।

तीन अगस्त को सागर को दिल्ली से यूके भेज दिया गया। ब्रिस्टल पहुंचते ही सागर को पता चला कि जिस यूनिवर्सिटी का पता अनुराग ने दिया था, वहां ऐसी कोई यूनिवर्सिटी है ही नहीं। जिसके बाद सागर ने पिता को फोन किया। राजकुमार जब अनुराग के इमीग्रेशन ऑफिस पहुंचे तो ठगों ने कहा कि उन्होंने ठगी की है और पहले भी ऐसे कई केस उनके खिलाफ हैं। आरोपियों ने चेकबुक-एटीएम कार्ड लौटाने से भी मना कर दिया। फिलहाल

रसद विभाग के सूत्र बताते हैं कि बड़ी मात्रा में सिलेंडर इकट्ठा होना तभी संभव है जब, गैस एजेंसियों से गलत डिलीवरी की मिलीभगत हो, डोमेस्टिक सिलेंडरों का कर्मशियल उपयोग हो, कई फर्जी-दोहराए गए उपभोक्ता आईडी का इस्तेमाल हो या फिर यह सब स्थानीय स्तर पर अथवा रीफिलिंग के लिए किया जाए। मुद्दा यह भी उठता है कि क्या रसद विभाग हर कार्रवाई के बाद संबंधित गैस एजेंसियों की बुकिंग-डिलीवरी पैटर्न की जांच करता है क्योंकि जब तक कम्प्लाय चैन में सेंच का पता नहीं लगेगा, दुकानों पर छापे केवल बाहरी परतें ही हटाएंगे, जड़ नहीं।

भरतपुर में आवासहीनों ने किया प्रदर्शन



आवासहीनों ने नगर निगम भरतपुर के गेट पर प्रदर्शन किया।

भरतपुर, (निसं)। आवासहीनों को आवास या जमीन दिलाये जाने के सिलसिले में आवासहीन जन संघर्ष समिति भरतपुर-राजस्थान के बैनर तले नगर निगम भरतपुर के गेट पर लगभग 300 महिलाओं व पुरुषों ने घरना देकर नारे लगाये। इसके बाद लगभग बीसियों प्रतिनिधियों ने अधिकारियों को ज्ञापन देते समय स्पष्ट तौर से चेतावनी दी कि यदि अखिलम्ब हमारी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो नगर निगम पर लगातार और सहपरिवार पड़ाव डाला जायेगा और आन्दोलन को निरन्तर तेज किया जायेगा, जिसकी सारी जवाबदेही

निगम प्रशासन की होगी।

इस मौके पर कामरेड नथूलाल ने कहा कि सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना और मुख्यमंत्री आवास योजना होते हुए भी गरीब आवासहीनों को इस महंगाई और बेरोजगारी के दौर में संघर्ष करना पड़ रहा है। इस घरना आन्दोलन का नेतृत्व कामरेड नथूलाल, यादराम प्रजापत अध्यक्ष, कलुआ खान महासचिव, अशोक कपूर, रम्यो सिंह हवलदार, अशोक कुमार जघीना, डॉ. नवलिका, एड. रूचि गर्ग, सुमन योगी, ओमपवती, सुनीता, रगुड़ी, पूनम, उमेश नायक आदि ने किया।

उड़ान स्कूल नया भवन शहर को समर्पित



जिला प्रशासन द्वारा गैस रिसाव की परिस्थितियों से निपटने के लिए माँक ड़ील का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

जानकारी दी गई। इस दौरान जिला परिषद के सीईओ सालुखे गौरव रवीन्द्र, एडीएम द्वितीय योगेश शरण, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय काम्बले शरण गोपीनाथ, नगर निगम के आयुक्त सोहन सिंह नरूका, उपखण्ड अधिकारी

अलवर माधव भारद्वाज, डिप्टी सीएमएचओ डॉ. महेश बैरवा, जीएम डीआईसी एम.आर. मीणा, पीडब्ल्यूडी की अधिष्ठासी अभियन्ता अल्का व्यास, एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट संजय गुर्जर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

बताया कि वह अपने परिवार के साथ खाटूस्थामजी (सीकर) के दर्शन करने के लिए गया हुआ था। इस दौरान पीछे से उनके बंद पड़े मकान में चोरी हो गई। चोर मकान के ताले तोड़कर अंदर घुसे और लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरों और अलमारी में रखे पांच लाख कैश चोरी कर भाग गए। वह जब (मकान मालिक और परिवार) अपने घर वापस लौटे तो देखा कि मकान में टूटे हुए ताले लटके रहे थे और मकान में चोरी हो चुकी थी। अंदर सामान बिखरा हुआ था। जिसके बाद मकान मालिक ने पुलिस को रिपोर्ट दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका-सुआयना किया। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गेहूं से भरा ट्रक सड़क में धंसा

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर निगम की ओर से सीवरेज का कितना घटिया स्तर पर निर्माण कार्य किया जा रहा है, इसकी बानगी बुधवार को देखने को मिली। पुलिस लाइन क्षेत्र में एक ट्रक गेहूं से भरकर जा रहा था। तभी सपाट सड़क में धंस गया। एक बारगी तो ट्रक ड़ाइवर भी हैरान रह गया। वह नीचे उतर दूसरे लोगों से मदद की गुहार लगाई। लेकिन

लो गों ने आरोप ने लगाया कि सीवरेज का निर्माण कार्य घटिया स्तर का किया जा रहा है

जब ट्रक की हालत देखी तो क्रेन ही बुलानी पड़ी। पहले पिकअप में गेहूं की बोराियां खाली कराई गईं, बाद में क्रेन की मदद से निकाला जा सका।

लो गों ने आरोप ने लगाया कि पटरी पार सीवरेज का निर्माण कार्य

राजस्थान हाईकोर्ट : सर्विस बुक की अनुपलब्धता पेंशन में बाधक नहीं

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की एकलपीठ के न्यायाधीश फरजंद अली ने सफाईकर्म के पद पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग पाली में कार्यरत रमेश नामक कर्मचारी की रिट याचिका को स्वीकार करते हुए उसे पेंशन व पेंशन संबंधी सभी लाभ दो माह में प्रदान करने व दो माह में प्रदान नहीं करने पर उसे 9 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज भी प्रदान करने का आदेश पारित किया।

कर्मचारी रमेश की नियुक्ति चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग पाली में सफाई कर्मचारी के पद पर वर्ष 1979 हुई थी। कालान्तर में सेवानिवृत्त की आयु को प्राप्त करने पर उसे 31 अगस्त 2018 से सेवानिवृत्त कर दिया गया। सेवानिवृत्त के पश्चात् विभाग द्वारा उसके विरुद्ध कोई विभागीय जांच या अपराधिक प्रकरण लॉन्च नहीं होने का प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया, मगर उसे सेवानिवृत्ति संबंधी लाभ प्रदान नहीं किये गये। केवल प्रोविजनल पेंशन जारी की गयी।

उड़ान स्कूल नया भवन शहर को समर्पित

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद छावनी क्षेत्र में विशेष बच्चों के लिए उम्मीदों का नया केंद्र बन चुका ‘उड़ान स्कूल फॉर स्पेशल चिल्ड्रन’ बुधवार को अपने आधुनिक स्वरूप में शहर को समर्पित किया गया। जीपीओद्वार कार्य पूरा होने के बाद आयोजित इस भव्य उद्घाटन समारोह में छावनी परिषद अध्यक्ष ब्रिगेडियर हरिश कुमार और सोनिका ने विद्यालय का लोकार्पण किया।

समारोह में मुख्य अधिष्ठासी अधिकारी डॉ. नीतिश गुप्ता, एम एच कमांडर आर के यादव और मनीनोत सदस्य सुशील कुमार आदिया उपस्थित रहे। अनेक गर्मियां अधिकारी, अभिभावक और स्थानीय नागरिक भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान चलाए गए वीडियो में उड़ान स्कूल की पुरानी और नई तस्वीरों साथ दिखाई गई। पुरानी स्थिति देखकर यह महसूस किया गया कि पहले भवन इतना जर्जर था कि अंदर प्रवेश करने समय भी डर लगता था। दीवारों की टूट-फूट, फर्श की जर्जरता और सीमित सुविधाओं ने वर्षों तक बच्चों के विकास में बाधा उत्पन्न की थी, लेकिन अब वही भवन आधुनिक, सुरक्षित और आकर्षक मॉडल स्कूल का रूप लेकर खड़ा है।

प्रदेश कांसिप कमेट्री के सचिव सुनील लारा के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ता स्कूल के मुखेद्धार पर पहुंचे। उन्होंने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ

नापासर में इंडस्ट्रियल ऑयल फैक्टरी की जांच पूरी

■ फैक्टरी में इंडस्ट्रीयल ऑयल को बाँयोडीजल बताकर बेचे जाने के मामले में रसद विभाग की जांच में बड़ा खुलासा हुआ

■ जांच में सामने आया है कि परिसर में भूमिगत टैंकों से लेकर प्लास्टिक टंकियों तक में करीब 3 लाख 14 हजार लीटर पेट्रोलियम पदार्थ भरा हुआ था

■ जांच के दौरान फर्म न तो वैध एंड कर सकी और न ही उत्पाद के भंडारण, परिवहन या बिक्री से जुड़े रिकॉर्ड

छापा मारकर गोरखधंधे का खुलासा किया था। जांच से पता चलता है कि यह कोई एक-दो टैंकर का खेल नहीं था। 3 लाख लीटर से अधिक स्टॉक का मतलब है कि सप्लाई चेन बेहद विस्तृत है। छोटे वाहनों में लोडिंग यानी बाजार में अवैध तरीके से यह इंडस्ट्रीयल ऑयल बाँयोडीजल के नाम पर बड़ी मात्रा में बेचा जा रहा था। मंत्रों के छापे के बाद भी किसी पुलिस अधिकारी पर कार्रवाई न होना इस नेटवर्क की सुरक्षा छतरी की ओर इशारा करता है।

जानकारी के अनुसार कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने 6 नवंबर की रात भारत माला रोड पर एक युवक को एक गाड़ी में संदिग्ध बाँयोडीजल भरते देखा। इसके बाद मंत्री मीणा उस युवक सहित नापासर स्थित कनकश्री फैक्टरी पहुंचे। मौके पर चालक ने कहा हम पुलिस को बंधी देते हैं, हमारा कुछ नहीं होता। मंत्री मौके पर पहुंचे तो वहां छोटी गाड़ियों में फ्यूल भराई जा रही मिली। उसी रात फैक्टरी सील, फिर रसद विभाग ने विस्तृत जांच शुरू की।

जोधपुर, (कासं)। मथानिया स्थित उम्मेद नगर में बुधवार की सुबह एक युवक का संदिग्ध हालात में शव मिला। आंख के पास में हल्की चोट दिखाई दी। परिजन ने हत्या किए जाने की आशंका में मथानिया थाने में पड़ौसी के खिलाफ रिपोर्ट दी है। रात में युवक पड़ौसी के घर पर बर्थ डे पार्टी में गया था। रात भर से घर नहीं लौटा आज सुबह शव मिला। इधर आक्रोशित लोगों ने उम्मेद नगर में रास्ता जाम कर प्रदर्शन किया। सूचना पर पुलिस अधिकारी वहां पहुंचे और बाद में रास्ता खुलवाया। शव को दोपहर में एमजीएच की मोर्चरी में लाकर रखा गया। जहां मेडिकल बोर्ड पोस्टमार्टम करवाया गया।

एसपी भी मंडोर अनिल शर्मा ने बताया मथानिया स्थित उम्मेद नगर नट बस्ती का रहने वाला 22 वर्षीय कमलेश पुत्र प्रेमराम नट का शव आज सुबह उसके घर के सामने रहने वाले पड़ौसी के यहां पर नजदीक में मिला। सुबह साढ़े सात बजे पुलिस को सूचना मिली और उसकी हत्या किए जाने की जानकारी दी गई।

एकमत हो रखे थे। पार्षद हो या प्रशासनिक अधिकारी या फिर समाजसेवी सभी उसके विरोध में उतरे हुए थे। स्थानीय लोगों ने कहा कि एक बार आप इन वार्डों में घूम कर देखिए, आपको पता चलेगा कितने मुश्किल हालात में रहने को मजबूर है।

राजस्थान हाईकोर्ट : सर्विस बुक की अनुपलब्धता पेंशन में बाधक नहीं

■ सफाईकर्म के पद पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग पाली में कार्यरत कर्मचारी की रिट याचिका स्वीकार

इस पर उसने अपने अधिवक्ता प्रमेन्द्र बोहरा के माध्यम से एक विधिक नोटिस प्रेषित किया। विधिक नोटिस के जवाब में विभाग 01 मार्च 2019 को पत्र द्वारा उसे यह सूचित किया गया कि उसकी सर्विस बुक उपलब्ध नहीं होने के कारण उसे पेंशन व पेंशन संबंधी लाभ प्रदान नहीं किये जा सके।

विभाग के इस कृत्य से व्यथित होकर रमेश ने अपने अधिवक्ता प्रमेन्द्र बोहरा के माध्यम से एक रिट याचिका उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की। उच्च न्यायालय के समक्ष प्रार्थी के अधिवक्ता का आरो है कि किसी भी कर्मचारी की सर्विस बुक का संधारण करता है जो, उसके कर्मचारी को नियुक्ति प्रदान करता है ना कि कर्मचारी द्वारा। प्रार्थी की सर्विस बुक उपलब्ध ना होना में गलती कर्मचारी की ना होकर नियोक्ता की है। नियोक्ता ही सर्विस बुक का संधारण करता है व समय-समय पर उसमें प्रविष्टिया भी अंकित करता है। सर्विस बुक की अनुपलब्धता के कारण कार्मिक की पेंशन रोकना सर्वथा अनुचित है।

प्रार्थी के अधिवक्ता का आगे यह भी कथन था कि राजस्थान कर्मचारी पेंशन व पेंशन संबंधी लाभ प्रदान करना नियोक्ता का दायित्व है अन्यथा कर्मचारी 9 प्रतिशत पेंशन पर ब्याज प्राप्त करने का अधिकारी है। अधिवक्ता का आगे यह भी कथन था कि वर्तमान वाद में प्रार्थी वर्ष 2018 में सेवानिवृत्त हुआ व उसे आज तक

पेंशन व पेंशन संबंधी लाभ प्रदान नहीं किये गये। विभाग द्वारा उसे वैकल्पिक पेंशन प्रदान कर इतिश्री कर ली गयी जो अनुचित व विधि विरुद्ध है।

राज्य सरकार की ओर से जवाब में यह तर्क दिया गया कि प्रार्थी की सर्विस बुक उपलब्ध नहीं होने के कारण उसे सेवानिवृत्त परिलाभ प्रदान नहीं किया गये। प्रार्थी के अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय की एकलपीठ ने प्रार्थी रमेश की द्वारा प्रस्तुत रिट याचिका को स्वीकार करते हुए यह व्यवस्था दी कि सर्विस बुक भी अनुपलब्धता कार्मिक की पेंशन देने में बाधक नहीं हो सकता। प्रार्थी को पेंशन नियम के तहत उसे दो माह में पेंशन प्रदान भी जाये और दो माह में प्रदान नहीं करने पर राजस्थान पेंशन विभाग के नियम 89 के तहत उसे 9 प्रतिशत वार्षिक दर से ब्याज प्राप्त करने का अधिकारी है।

अधिवक्ता का आगे यह भी कथन था कि वर्तमान वाद में प्रार्थी वर्ष 2018 में सेवानिवृत्त हुआ व उसे आज तक

छात्र से मारपीट मामले में एनएसयूआई का प्रदर्शन

कारोबारी के नाबालिग बेटे के साथ मारपीट और गलत हरकत का मामला

अजमेर,(निसं)। कारोबारी के नाबालिग बेटे के साथ मारपीट और अश्लील हरकत के मामले ने बुधवार को नया मोड़ ले लिया। मामले में पुलिस कार्रवाई धीमी होने और स्कूल प्रबंधन द्वारा शिकायत के बावजूद कोई सख्त कार्रवाई न करने के विरोध में एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने मयूर स्कूल के बाहर जमकर हंगामा किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ता स्कूल गेट पर चढ़कर अंदर घुसने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो धक्का-मुक्की और झड़प तक हो गई। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने सड़क पर पूतला जलाकर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने अतिरिक्त जापा बुलाकर माहौल शांत कराया।

प्रदेश कांसिप कमेट्री के सचिव सुनील लारा के नेतृत्व में एनएसयूआई कार्यकर्ता स्कूल के मुखेद्धार पर पहुंचे। उन्होंने स्कूल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि दोषी छात्र

नारेबाजी की। एनएसयूआई के प्रदर्शन को देखते हुए अलवर गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। लारा ने आरोप लगाया कि पीड़ित परिवार की शिकायत के बाद भी स्कूल प्रबंधन ने प्रभावी कार्यवाही नहीं की। स्कूल प्राचार्य संजय खाती मामले को दबाते नजर आए। उन्होंने प्राचार्य को हटाए जाने की मांग करते हुए उनका पुतला फूँका। प्रदर्शन के दौरान पुलिस से कार्यकर्ताओं की झड़प भी हुई। पीड़ित छात्र के पिता और चाचा दोनों ने पुलिस से अलग-अलग शिकायत दर्ज करवाई हैं। दोनों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। थाने में दर्ज शिकायत में बताया कि स्कूल के 3-4 छात्रों ने उनके नाबालिग पुत्र को रास्ते में रोककर बेसबॉल के डंडे से पीटाई कर उसके कपड़े उतराए, उटक-बैटक लगावई और अश्लील हरकत की। मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने बताया कि दोषी छात्र

लगातार धमकियां दे रहे हैं कि हीरोपंती निकाल देंगे। चाचा ने बताया कि भतीजा कई दिनों से डिप्रेशन में था और डर के कारण कुछ नहीं बता पा रहा था। प्रदर्शन के दौरान पी.सी.सी. सचिव डॉ. सुनील लारा पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष पवन ओड, दुर्विका सिसोदिया, हिमेश गोयर, नितिन चौधरी, रोहन बैरवा, ठाकुर चारू, हर्षित लोट, अनमोल चारू, मोहित खन्ना, राजवीर गुर्जर, जितेश मोहनपुरिया, अशोक छबरीबंद, विशाल गोयर, अभिषेक, रियान सहित काफी संख्या में एन.एस.यू.आई छात्र मौजूद रहे।

सिविल लाईंस थाना प्रभारी शंभू सिंह ने बताया कि चाचा की शिकायत पर 3 छात्रों पर पॉक्सो सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। वहीं अलवर गेट थाना प्रभारी नरेंद्र जाखड़ ने कहा कि पिता की शिकायत पर 4 छात्रों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में अनुसंधान जारी है।